नीमच विमानपत्तन (मध्य प्रदेश) का विकास

4443. **श्री बालकवि बैरागीः** क्या नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या मध्य प्रदेश के निमच शहर में, जो कि केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल का प्रमुख केन्द्र है, नागर विमानन मंत्रालय द्वारा मान्वताप्राप्त व्मानपत्तन और ऐसी हवाई पट्टी है जहां छोटे विमान उतर और उड़ सकते हैं;

(ख) क्या इस माहत्वपूर्ण शहर के उपर्युक्त विमानपत्तन के निकास के लिए कोई योजना नागर निमानन मंत्रालय के वियाराधीन है;

(ग) यदि हां, तो यह विकास योजना कब तक लागू होगी;

(घ) क्या नीमच को किन्हीं नियमित विमान-सेवाओं से जोड़ा जा सकेगा; और

(ङ) क्या इस संबंध में कोई सर्वेक्षण किया गाय है और यदि हां, तो उपर्युक्त सर्वेक्षण की रिपोर्ट क्या है?

नागर विमानन मंत्री (श्री अनंत कुमार)ः (क) जी, हां। नीमच स्थित हवाई पट्टी केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की है।

(ख) और (ग) भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण की इस हवाई पट्टी के स्तरोत्रयन की कोई योजना नहीं है।

(घ) और (ङ) विमानकंपनी प्रचालक आर्थिक व्यवहार्यता को मद्देनज़र रखते हुए नीमच के लिए प्रचालन करने के लिए स्वतंत्र हैं। तथापि, अनुसूचित विमानकंपनियों के नीमट होकर प्रचालन करने की कोई योजना प्रक्षेपित नहीं की है।

विद्यान-चालकों की भंर्ती

4444. **श्री राघवजी**: क्या नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) गत पांच वर्षों में वर्ष-वार कितने-कितने विमान चालकों की भर्ती की-गई;

(ख) क्या विमान-चालकों की भर्ती करने से पूर्व इस संबंध में समाचार पत्रों में विज्ञापन दिए गए थे, यदि हां, तो किन-किन समाचारपत्रों में; और

(ग) यदि नहीं तो, इन नियुक्तियों को करते समय अन्य कौन सी प्रक्रिया अपनाई गई, चयन बोर्ड में किस ओहदे के अधिकारी रखे जाते हैं?

नागर विमानन मंत्री (श्री अनंत कुमार): (क) राष्ट्रीय वाहकों द्वारा नियुक्त विमानचालकों के ब्यौरे इस प्रकार हैंः-

वर्ष	एयर इंडिया	इंडियन एयरलाइंस	एलायंस एयर
1994	32	26**	
1995	40*	01**	
1996	26		86
1997	39	01**	31
1998	22		17

*वायुदूत, से खपाए गए **वायुदूत से खपाए गए विमानचालकों सहित विमान चालक

(ख) और (ग) अग्रणी समाचारपत्रों में विज्ञापन दिए गए थे। संबंधित विमानतंरनियों द्वारा चयन समितियों का गठन कर लिया गया था जिसमें महाप्रबंधक, सहायक महाप्रबंधक, संयुक्त महाप्रबंधक, मुख्य विमान-चालक इत्यादि जैस वरिष्ठ स्तर के अधिकारियों को शामिल किया गया था।

Foreign Investment in Construction of International Airports

4445. SHRI PREM CHAND GUPTA: Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government will encourage foreign investment on mutually agreed terms for construction of new international airports; and

(b) if so, the nature of this agreement in terms of equity participation, ownership, control etc.?

THE MINISTER OF CIVIL AVIA TION (SHRI ANANTH KUMAR): (a) and (b) The Policy on Airport Infrastruc ture (December, 1997) envisages automa tic approvals for foreign equity participa tion upto 74% and 100% with special permission. Further the airports may be owned by the Central Government, Pub lic Sector Undertakings, State Govern ment, Urban Local Bodies, private com panies and inviduals, as also by joint ventures involving one or more of the above. The exact pattern of management control could be negotiated, as to whether it would be Build-Own-Operate (BOO), Build-Own-Transfer (BOT), Build-Own-Lease-Transfer (BOLT),